

भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 563
उत्तर देने की तारीख 20 नवम्बर, 2019

आपदारोधी दूरसंचार अवसंरचना

563. प्रो. अच्युतानंद सामंत:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का तटीय क्षेत्रों में आपदा-रोधी दूरसंचार अवसंरचना प्रदान करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है और सरकार द्वारा अगले पांच वर्षों के लिए क्या योजना प्रस्तावित है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री
(श्री धोत्रे संजय शामराव)

(क) और (ख): जी, हाँ। दूरसंचार सेवाओं में आने वाली आपदाओं से निपटने के लिए दूरसंचार सेवाओं हेतु दूरसंचार विभाग द्वारा जारी की गई/लागू की गई मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को आपदा के दौरान अपने नेटवर्क को सुदृढ़ करने तथा नेटवर्क में होने वाली खराबियों से बचने के लिए निम्नलिखित उपाय करना अपेक्षित है:

- आपदा संभावित क्षेत्रों में उपयुक्त स्थानों पर दूरसंचार उपकरण लगाए जाने चाहिए ताकि किसी भी आपदा के प्रभावों का सामना किया जा सके, उदाहरण के लिए बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में, बाढ़ के पानी से बचने के लिए अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में एकसर्चेंजों/महत्वपूर्ण उपकरणों को स्थापित किया जाना चाहिए। तटीय और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में नेटवर्क उपकरणों को स्थापित करने के स्थान को ऊंचा बनाया जाना चाहिए।

- जहां भी संभव हो, अत्यधिक महत्वपूर्ण उपकरणों को एक ही भवन में स्थापित नहीं किया जाना चाहिए।
- सभी भवनों, टावरों और उपकरण स्थलों को पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपायों जैसे कि आग का पता लगाने और आग को बुझाने की प्रणाली आदि से लैस किया जाना चाहिए।
- सभी भवनों, टावरों और उपकरण स्थल अवसंरचनाओं में भूकंपीय क्षेत्र के आधार पर भूकंपरोधी भवन के लिए निर्धारित किए गए भवन उपनियमों का अनुपालन करना चाहिए।
- जहां तक संभव हो, संचार केबलों को उनकी कमजोरी को कम करने के लिए डक्ट्स में डालकर भूमि में दबाया जाना चाहिए।
- दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दो अलग-अलग भौगोलिक मार्गों के माध्यम से मुख्य नेटवर्क घटकों और स्विचिंग उपकरणों के बीच ट्रांसमिशन लिंक्स यथा-उपयुक्त बने रहे।
- क्षेत्र के जोखिम प्रोफाइल के आधार पर, दूरसंचार सेवा प्रदाता अपनी संबंधित दूरसंचार अवसंरचना की कमजोरी की पहचान करेगा और तदनुसार आपातकालीन परिस्थितियों के लिए योजना तैयार करेगा। सभी महत्वपूर्ण और कमजोर नेटवर्क घटकों में बैटरी स्टोरेज क्षमता और डीजल/ईंधन की उपलब्धता के संदर्भ में ट्रांसमिशन लिंक और पावर बैकअप सहित पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।
- आपातकालीन स्थिति अक्सर उच्च ट्रैफिक, संकट में किए जाने वाले कॉल और बार-बार कॉल करने के प्रयासों के कारण नेटवर्क के भार को अत्यधिक रूप से बढ़ा देती है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को ऐसे मामलों में नेटवर्क को बंद होने से बचाने के लिए एक प्रभावी समाधान अवश्य करना चाहिए और प्रभावी कंजेशन प्रबंधन प्रणालियों को तैयार रखना चाहिए और इनकी समय-समय पर समीक्षा और परीक्षण किया जाना चाहिए।

(ग) उपर्युक्त के मद्देनजर प्रश्न ही नहीं उठता।
